गैरों की तरहा

गैरों की तरह हम से नजरे न चुरा साईं,
अपनों की तरह हमको सीने से लगा साईं,
गैरों की तरह हम से नजरे न चुरा साईं,

विश्वाश यही दिल में दिन रात पनपता है,
दुनिया के हर इक दुःख की इक तू है दवा साईं,
गैरों की तरह हम से नजरे न चुरा साईं,

तकदीर के मारो की तकदीर बदल ता तू,
आँखों से भी देखा है नही सिर्फ सुना साईं,
गैरों की तरह हम से नजरे न चुरा साईं,

दुनिया में कही हमको आया है न आएगा,
आनदं जो चरणों में तेरे है मिला साईं,
गैरों की तरह हम से नजरे न चुरा साईं,

हाथो में तेरे देदी हमने जीवन डोरी,
अब मर्जी है तेरी जैसे भी नचा साईं,
गैरों की तरह हम से नजरे न चुरा साईं,

सब दुखियां मन पे खुशियों की मोहर लगे,
साहिल ने आज यही मांगी है दुआ साईं,
गैरों की तरह हम से नजरे न चुरा साईं,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14694/title/gario-ki-tarha-humse-najre-na-chura-sai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |